



ॠ 1) interj. gāṇa चादि zu P. 1, 4, 57. a) des Tadel. — b) वाक्ये H. an. 7, 5. MED. avj. 6. — c) des Lachens. — d) वाक्यविकारे ÇABDAR. im ÇKDr. — 2) f. ein N. der Aditi TRIK. 1, 1, 6. MED. avj.

ॠक्कम् und ॠक्कशम् (von ॠक् mit suff. शम्) adv. Verswetze, je nach einzelnen Rk (gegenüber अर्धशम्) AIR. BR. 6, 2. ÇĀṆḤ. ÇR. 12, 11, 8. 14, 3, 2.

1. ॠक्का (= वृक्का von व्रश्) adj. wund in ॠक्कावल् wunde Schultern habend, vom Ziehen wund gerieben, — gedrückt: वाचमेव तदातां आत्ता-मृक्कावल् वल्ह्राविणीमृक्कति AIR. BR. 5, 9.

2. ॠक्का n. = ॠक्थ H. 192.

ॠक्ताम् (von ॠक्) adv. von Seiten —, in Betreff der Rk: यदि नो यत्त ॠक्तां आर्तिः स्याद्यदि यजुष्टो यदि सामतः AIR. BR. 5, 32. ÇAT. BR. 4, 1, 1, 7. 4, 1, 11. 5, 1, 1, 10. KĀND. UP. 4, 17, 4.

ॠक्थ n. s. ॠक्थ.

ॠक्ता adj. so v. a. ॠक्कन् RV. 10, 36, 5: वृक्स्पतिः सोमभिर्ऋक्ता अर्चतु.

ॠक्तान् (von 1. अर्च) adj. lobpreisend, jubelnd (instr. ॠक्ताता von einem Thema ॠक्तात्): ॠक्ताणो अग्निभिर्ऋते RV. 3, 13, 5. विमिमान् ॠक्ताभिः 1, 155, 6. 9, 107, 11. 111, 1. दत्तेभिर्वचतेभिर्ऋताभिः 10, 113, 9. (वृक्स्पतिः) सु-ष्टुभा च ॠक्ताता गुणैः (SIDDH. K. zu P. 1, 4, 20) 4, 50, 5. 7, 10, 4. 10, 14, 3. die Marut 5, 52, 1. 60, 8. 6, 32, 2. 10, 64, 4. वाज्ञो न साधुरस्तेमिष्यक्ता 7, 37, 4. 1, 87, 5. 6. 8, 52, 11. 86, 12. 9, 64, 19. 91, 3.

ॠक्कशम् s. u. ॠक्कन्.

1. ॠक्ता adj. f. आ kahl: ॠक्ता वा इयमेलोमकासीत् TS. 7, 4, 3, 1. ॠक्ता-स्तस्य मिमीतुर्न वा अयश्च्यम् (लोमतस्तस्य मिमीत u. s. w.) 6, 1, 9, 2. KĀṬ. 25, 2. 27, 2 in Ind. St. 3, 463.

2. ॠक्ता 1) m. Verletzer, Verderber (?): य ॠक्तादंरुतो मुच्यो वार्यात्सप्त सिन्धुयु । वर्धदासस्य तुचिन्मणा नीनमः ॥ RV. 8, 24, 27. Hier wäre es unpassend den im Veda so wenig gekannten Bären zu verstehen. — 2) m. Bär, ἄρκτος, ursus UP. 3, 66 (ॠक्ता Bär, Stern, best. Gebirge). AK. 2, 5, 4. TRIK. 3, 3, 435. H. 1289. an. 2, 557. MED. sh. 6. ॠक्तो न वो मरुतः शिमीवौ अमौ दुधो गौरिव भीमयुः RV. 5, 36, 3. VS. 24, 36. M. 12, 67. N. 12, 2. 5. 97. R. 1, 3, 25. 16, 7. 2, 25, 17. 97, 5. 3, 20, 24. 63, 13. 4, 38, 35. 6,

7, 37. 108, 14. SUPR. 1, 24, 7. 202, 9. ॠक्तापति R. 5, 63, 5. सर्वर्ताणामधिपतिः 6, 3, 10. ॠक्ताहरीश्वर der Gebieter der Bären und Affen RAGH. 12, 72 (St.: simtorum in Riksha monte dominus); vgl. ॠक्ताराज. f. ॠक्ती Bärin MBH. 3, 15935. R. 1, 16, 21. KATHIS. 23, 46. ॠक्ता am Ende eines comp. nach dem verglichenen Gegenstande gāṇa व्याघ्रादि zu P. 2, 1, 56. — 3) m. pl. das Siebengestirn, der grosse Bär, ἄρκτος, ursa; nachmals die sieben Rshi: अमी य ॠक्ता निर्वृतास उच्चा RV. 1, 24, 10. ÇAT. BR. 2, 1, 3, 4. TAITT. ĀR. 1, 11, 2. — 4) m. n. Stern, Sternbild überh.; Mondstation AK. 1, 1, 9, 22. TRIK. H. 108. H. an. MED. ॠक्ताविभावन M. 2, 101. 3, 9. पुनर्दिनर्तेषु 277. ॠक्तेष्टि 6, 10. मूलो मूलवतामृतो धूप्यते धूमकेतुना R. 5, 73, 57. ॠक्ताणि MBH. 13, 625. अवपादीनि ॠक्ताणि 14, 1213. ॠक्ताम् SUPR. 1, 104, 17. जन्मर्तम् 118, 21. ॠक्तेषु वार्षिकेषु RAGH. 12, 25. एवं चन्द्रमा: — अर्कस्य संवत्सरभुक्तिं पक्षाभ्यां मासभुक्तिं सप्ताहार्ताभ्यां दिनेनैव पक्षभुक्ति-मुप्रचारी हुततरगमनो (als die Sonne) भुङ्क्ते Bhāg. P. 5, 22, 8. लिक्ता जि-ह्वयर्ताणि 6, 9, 15. मासर्ताणि 7, 14, 22. अष्टाविंशतिर्ऋतमन्वा: Verz. d. B. H. No. 1252. — 5) m. N. einer Pflanze, Bignonia indica (शोणका), AK. 2, 4, 2, 37. TRIK. H. an. MED. Nach RĀGAN. im ÇKDr. eine verwandte Species (शोनाकप्रभेद). — 6) N. pr. eines Mannes RV. 8, 57, 15. ein Sohn Aḡamiḍha's MBH. 1, 3722. 3724. HARIV. 1799. 1817. VP. 455. ein Sohn Ariha's MBH. 1, 3777. fg. ein Sohn Viddratha's HARIV. 1816. fg. ein Sohn Revata's: ॠक्तो ऽपि र्वताज्जज्ञे रम्ये पर्वतमूर्धनि । ततो र्वत उत्प-न्नः पर्वतः सागरात्तिके ॥ नाम्ना र्वतको नाम भूमौ भूमिधरः स्मृतः । 5249. Akrodhana's VP. 457. ein Nachkomme Bhrgu's und mit Vālmiki identif. 273. ॠक्ता: pl. zu आर्त oder आर्ह्य Verz. d. B. H. 25, 27. — 7) m. N. eines Gebirges H. an. MED. VP. 174 (vgl. N. 3). 176. 181, N. 11. 184, N. 183, N. 80. LIA. 1, 83, N. 175, N. 575, N. Anh. XLVII. Vgl. auch die u. 6. angef. Stelle aus dem HARIV. und ॠक्तावल्. — 8) f. ॠक्ता N. pr. einer Gemahlin Aḡamiḍha's MBH. 1, 3790. Das f. ॠक्ती s. u. 2. — Das Wort kann auf रिण् und व्रश् (vgl. ॠक्का) zurückgeführt werden und ist wohl mit रत्नम् verwandt. KUHN in Z. f. d. W. d. Spr. I, 183. fg. stellt das Wort mit 1. अर्च् zusammen und nimmt an, dass der Bär nach seinem glänzenden Felle benannt worden sei.